पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.03.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

नव वर्ष विक्रमी सम्वत् 2074
एवम्
143वे आर्य समाज स्थापना दिवस
(तदानुसार 29 मार्च 2017)
की हार्दिक शुभकामनायें
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

वर्ष-33 अंक-19 चैत्र-2074 दयानन्दाब्द 193 16 मार्च से 31 मार्च 2017 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

ओ३म्

भारत माता की जय — वन्दे मातरम्

शहीदों की अमानत है — भारत की आजादी

जहाँ नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

प्रण करते हैं संस्कृति की शाम नहीं होने देंगे, वीर शहीदों की समाधि बदनाम नहीं होने देंगे।
जब तक तन में एक बूंद भी लहु की बाकी है, भारत की आज़ादी को गुमनाम नहीं होनें देंगे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली

के तत्वावधान में

अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 86 वें बलिदान दिवस पर

राष्ट्र रक्षा यज्ञ व आतंकवाद विरोधी दिवस

वीरवार, 23 मार्च 2017, प्रातः 11:00 बजे से 1:30 बजे तक

स्थान : जन्तर मन्तर रोड़, नई दिल्ली-110001

अध्यक्षता: डॉ. अनिल आर्य
(राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद)

यज्ञ ब्रह्मा: श्रीमती सुनीता बुग्गा

मुख्य वक्ता

आचार्य प्रेमपाल शास्त्री	आचार्य वीरेन्द्र विक्रम	श्री मायाप्रकाश त्यागी
आचार्य गवेन्द्र शास्त्री	श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन'	श्री रविदेव गुप्ता
श्री राजेश मेहन्दीरता	श्री रविन्द्र मेहता	श्री रवि चड्डा
श्री जगदीश मलिक	श्रीमती गायत्री मीना	श्री जितेन्द्रसिंह आर्य
श्रीमती उर्मिला आर्या	श्रीमती अर्चना पुष्करना	श्रीमती अनिता कुमार

आमन्त्रित आर्य नेता: सर्वश्री ब्रह्मप्रकाश मान, अमित मान, मनोज मान, जितेन्द्र डावर, सुरेन्द्र शास्त्री, चत्तरसिंह नागर, रमेश गाडी, हरिचन्द आर्य, महावीरसिंह आर्य, वेदप्रभा बरेजा, स्वर्णा आर्या, रेखा शर्मा, सुरेन्द्र गुप्ता, सन्तोष वधवा, विजयारानी शर्मा, लक्ष्मी सिन्हा, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, अन्जु जावा, कै. अशोक गुलाटी, उमा मोंगा, पुष्पलता वर्मा, देवदत्त आर्य, प्रेमकुमार सचदेवा, अमीरचन्द रखेजा, विनोद कालरा, जीवनप्रकाश शास्त्री, वेदप्रकाश, मुकेश सुधीर, यज्ञवीर चौहान, ओमप्रकाश अग्रवाल, स्वर्ण गम्भीर, विजय गुप्त, गोपाल जैन, दिनेश आर्य, वेदप्रकाश आर्य, चन्द्रमोहन कपूर, विनोद कद, अखिल थरेजा, अमरनाथ बत्रा, मानवेन्द्र शास्त्री, रमेश योगी, प्रेमकान्त बत्रा, बलराज सेजवाल, राजेन्द्र लाम्बा, गजेन्द्र चौहान, ओमवीरसिंह, विजय सब्बरवाल, सुधा वर्मा, मनोहरलाल चावला, हरिचन्द स्नेही, सत्यपाल सैनी, अनिल हांडा, प्रकाशवीर शास्त्री, भगतसिंह राठी, अमरनाथ गोगिया, माधव सिंह, प्रदीप आर्य, विमल आर्य, शिवम मिश्रा, विकास गोगिया, धर्मवीर आर्य, प्रदीप गोगिया, आदर्श आहुजा, सुधीर घई, के.के. सेठी, ओमप्रकाश पाण्डेय, जवाहर भाटिया, सोहनलाल मुखी, गोपाल आर्य, आचार्य सुधांशु, अशोक आर्य, प्रकाशचन्द आर्य, रघुनाथसिंह यादव, देवेन्द्र आर्य, नेत्रपाल आर्य, वीरेन्द्र आहुजा, कमल आर्य, महेन्द्र टांक, ऋषिपाल खोखर, मुकेश पवार, विनोद बजाज, प्रेम बिन्द्रा, रचना आहुजा, आदर्श सहगल, बलजीत आदित्य, संजीव आर्य

अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने भारी संख्या में पहुंचे

-: निवेदक :-

महेन्द्र भाई संयोजक व महामंत्री	यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	प्रवीन आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	रामकुमार सिंह प्रान्तीय संचालक	देवेन्द्र भगत प्रेस सचिव	दर्शन अग्निहोत्री स्वागताध्यक्ष
कृष्णचन्द पाहूजा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राकेश भटनागर राष्ट्रीय मन्त्री	सौरभ गुप्ता प्रधान शिक्षक	अरुण आर्य प्रान्तीय महामंत्री	रामकृष्ण शास्त्री राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मन्त्री
धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	विश्वनाथ आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	आनन्दप्रकाश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	स्वतंत्र कुकरेजा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	वीरेन्द्र योगाचार्य राष्ट्रीय मन्त्री	सुरेश आर्य राष्ट्रीय मन्त्री

कार्यालय:- आर्य समाज, कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फोन: 9810117464, 9013137070, 9312406810
e-mail: aryayouth@gmail.com yuva.udghosh1982@gmail.com

नव-खाद्यान्न-यव के स्वागत तथा उत्साह एवं उमंग का प्रतीक होली पर्व

– मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

आज होली का पर्व है। इस अवसर पर हम अपने सभी मित्र महानुभावों को अपनी हार्दिक शुभकामनायें देते हैं। ईश्वर सबको स्वस्थ, निरोग, बलवान, सद्बुद्धि, धन–धान्य, ऐश्वर्य से संयुक्त करें। हमारा देश बलवान व शत्रुरहित हो तथा हमारे देश के निर्धन व कमजोर सभी लोगों को रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा व सुरक्षा आदि मिले, यह हमारी इस अवसर पर परम पिता परमेश्वर से कामना है।

होली शब्द 'होला' शब्द व किसानों के हल शब्द की महत्ता को अपने अन्दर समेटे हुए प्रतीत होता है। होला प्रमुख खाद्यान्न यव वा गेहूं की बालियों को जिसमें बड़ी संख्या में गेहूं के दाने भरे होते हैं, को कहते हैं। प्राचीन काल में होली के दिन हमारे देशवासी व यज्ञवेत्ता विद्वान लोग इन होलों की यज्ञ में आहुतियां देते थे जिससे इस पर्व का नाम ही होला पड़ गया प्रतीत होता है। यह पर्व ऋतु परिवर्तन से भी सम्बन्ध रखता है। शीत ऋतु लगभग समाप्त हो चुकी है। नई ग्रीष्म ऋतु का प्रवेश हो चुका है व कुछ स्थानों पर धीरे धीरे हो रहा है। हमारे वन व उपवन नाना प्रकार के रंग बिरंगे फूलों की महक व गन्ध से भरे हुए हैं जो हमारी श्वासों से हमारे शरीर व फेफड़ों में जाकर शरीर को निरोग बनाने के साथ उसमें उत्साह व उमंग का संचार कर रहे हैं। बारह महीनों में होली के दिन प्रकृति की जो सज धज व सुन्दर छटा दीख पड़ती है, वह वर्ष के अन्य समयों व ऋतुओं में नहीं होती। अतः इस ऋतु का स्वागत करने व इसके लिए ईश्वर का धन्यवाद करने के लिए भी यह पर्व मनाया जाता है। हमारे देश के किसान इस अवसर पर प्रसन्न होते हैं कि उनके घर पर नवान्न आने वाला है। वह न केवल अपनी वर्ष भर क्षुधा को दूर रख सकते हैं अपितु वह देश भर के लोगों को भी भूख से मुक्त कर सबको शारीरिक बल व शक्ति प्रदान कर सकते हैं। इसी कारण वेदों के सबसे बड़े ऋषि, महान देश भक्त, सच्चे ईश्वर पुत्र व उसके सन्देश सच्चे वाहक, वेद भक्त, मानव मात्र के हितैषी व मसीहा ऋषि दयानन्द ने किसानों का राजाओं का भी राजा कहा है। राजा तो देशवासियों से कर लेकर प्रजा पालन करता है परन्तु हमारा किसान तो अपने निजी साधनों से बीज व खाद पानी की व्यवस्था कर अन्न उगाता है और उससे स्वयं व दूसरों का पालन भी करता कराता है। अतः किसान का स्थान राजाओं से भी ऊपर है। किसान का हल से गहरा व निकट का सम्बन्ध है। यह पर्व भी मुख्यतः किसानों का है। इस लिए हल का रूपान्तर कर इसे होली नाम दिया गया हो, इसकी भी कुछ कुछ सम्भावना हो सकती है। यदि होली शब्द होला से बना है तो हमें लगता है होला शब्द हल के गुणों व महत्ता को लेकर बना है व बना होगा।

आज होली का पर्व है। होली शब्द अंग्रेजी भाषा में भी है जहां इसका अर्थ ''पवित्र व शुद्ध'' है। हमारे यहां ईश्वर, उसका ज्ञान वेद, यज्ञ व मनुष्यता के व्यवहारों को पवित्र माना व बताया जाता है। संसार की प्राचीनतम भाषा सस्कृत है। देश, काल की दूरी व भौगोलिक कारणों से संस्कृत का अपभ्रंस वा रूपान्तर होकर हिन्दी व संसार की अन्य भाषायें अस्तित्व में आई हैं। इस श्रृंखला में होली शब्द अंग्रेजी में जा पहुंचा है और बहुत उत्तम अर्थों में गया है। यह सुखद आश्चर्य है। अंग्रेजी के होली शब्द से होलीडे शब्द भी बना है जिसका अर्थ अवकाश होता है। यदि होली–डे का अर्थ करें तो यह पवित्र–दिन होता है। इस प्रकार से होलीडे के रूप में अवकाश का समय भी पवित्र समय व दिन होने से इसे भी ईश्वर चिन्तन, परोपकार के यज्ञादि कार्यों में बिताने का दिन मानना उचित ही लगता है। आज देश भर में होली का अवकाश अर्थात् होलीडे है जो भारतीय परम्परा व अंग्रेजी दोनों के अनुसार इस दिन को सार्थक रूप में पवित्र व उत्सव का नाम दे रहा है।

मनुष्य को सबसे अधिक पीड़ा व दुःख यदि होता है तो वह अपने शत्रुओं से होता है। होली में भी शत्रुता त्याग की भावना कुछ कुछ व अधिक विद्यमान है। इस दिन सभी लोग मित्र व संबंधी तथा शत्रु भी अपनी शत्रुता को भूल व त्याग कर परस्पर आपस में गले मिलते हैं और साथ ही एक–दूसरे को शुभकामनायें देते हैं। यदि नासमझ शत्रु नहीं देते तो समझदार शत्रु तो मित्रता के महत्व व शत्रुता के दुष्परिणामों को जानकर अपने शत्रु को भी एकबार शुभकामनायें देते ही हैं जिससे दूसरे शत्रु का भी हृदय परिवर्तन कुछ कुछ हो ही सकता है। अतः इस रूप में भी यह पर्व मनाना आज के समय में सार्थक ही कहा जा सकता है। वेदों के दो प्रसिद्ध मन्त्र हैं जिनका विधान यज्ञ में शान्तिकरण की प्रार्थनाओं में किया गया है। इसका कुछ याज्ञिक लोग प्रतिदिन व कुछ साप्ताहिक व पाक्षिक रूप से यज्ञों में उच्चारण करते हैं। यह मन्त्र हैं 'अभयं नः करत्यन्तरिक्षमभयं द्यावापृथिवी उभे इमे। अभयं पश्चादभयं पुरस्तादुत्तरादधरादभयं नो अस्तु।।' एवं 'अभयं मित्रादभयममित्रादभयं ज्ञातादभयं परोक्षात्। अभयं नक्तमभयं दिवा नः सर्वा आशा मम मित्रं भवन्तु।।' इनका अर्थ भी जान लेते हैं। मन्त्र में प्रार्थना है कि हे ईश्वर ! अन्तरिक्षलोक हमें निर्भयता प्रदान करे, द्युलोक व पृथिवीलोक हमारे लिए भयरहित हों, पश्चिम में व पीछे, पूर्व में व आगे, उत्तर में व दक्षिण में व नीचे से, हमें निर्भयता प्राप्त हो, अर्थात् सब ओर से हमें मित्रता प्राप्त कराओं। दूसरे मन्त्र में शिक्षा देते हुए कहा गया है कि हे अभय देने वाले प्रभो ! हमें अपने मित्रों से भय न हो और अमित्र अर्थात् शत्रुओं से भी भय न हो, जाने हुए व न जाने हुए लोगों से भय न हो, दिन और रात्रि सभी कालों में हम निर्भीक हों, सब दिशाएं मेरे लिए मित्र–सदृश हों व हों जायें। होली में मित्र तो परस्पर गले मिलते ही हैं, परन्तु जब दो अमित्र व शत्रु मिलते है तब होली का पर्व अधिक सार्थक हो जाता है, ऐसा हमें लगता है।

प्राचीन काल से यह परम्परा रही है कि फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन देश में बड़े बड़े यज्ञ होते थे। इसी का प्रतीक होली दहन के रूप में किंचित विकृतियों के साथ दिखाई देता है। आज आवश्यकता है कि इस प्रथा में सुधार कर इसका गुणवर्धन करते हुए इसे वृहद वैदिक यज्ञ का रूप दिया जाये। इस दिशा में आर्यसमाज व इसके विद्वान मार्गदर्शन कर सकते हैं। सार्वजनिक स्थानों पर वृहद यज्ञ रचकर व पर्व के अनुरूप वैदिक प्रवचन का आयोजन कर इस पर्व को मना सकते हैं। दिल्ली में आर्यसमाजों की ओर से ऐसा किया भी जाता है। देश भर में आर्यसमाजों को होली के इस शुद्ध रूप का सोदाहरण प्रचार करना चाहिये। इससे वायु व वर्षाजल आदि का प्रदुषण दूर करने के साथ लोगों को स्वास्थ्य आदि का लाभ होगा और वैदिक धर्म व संस्कृति का प्रचार व रक्षा हो सकेगी। होली के अवसर पर सभी घरों में गुजिया आदि के रूप में मिष्ठान्न बनाये जाते हैं और उन्हें इष्ट मित्रों को प्रस्तुत किया जाता है। यह भी हमारी वैदिक संस्कृति के उस रूप को उजागर करता है जिसमें कहा गया है कि अकेला खाने वाला पाप खाता है। भोजन दूसरों को कराकर ही करना चाहिये। होली के अवसर पर जो मिष्ठान्न बनता है उसकी भी यज्ञ मे स्विष्टकृदाहुति दी जाती है। उसके बाद इष्ट मित्रों के साथ इसका सेवन हमारी धर्म व संस्कृति को प्रस्तुत करता है। अतः इस पर्व में निहित इस शिक्षा को आत्मसात कर इसका जीवन में और अधिक विस्तार करना चाहिये जिससे देश में भुखमरी जैसी स्थिति कभी उत्पन्न न हो और यदि आये तो सभी देशवासी परस्पर एक दूसरे को अन्न व भोजन का आदान प्रदान कर किसी निर्धन मनुष्य को अन्नाभाव व भूख से मृत्यु का ग्रास न बनने दें।

11 मार्च, 2017 को पांच राज्यों में विधान सभा निर्वाचन के परिणाम आये हैं। इस परिणाम से एक तथ्य कुछ कुछ यह भी सामने आया है कि जो लोग धर्म, जाति, प्रलोभन, भय व स्वार्थ दिखा कर वोटों का ध्रुवीकरण करते थे, वह परास्त हुए हैं। कुछ लोगों का मानना है कि इन राक्षसी बातों का अन्त कुछ कुछ होना आरम्भ हो गया है जिससे देश के स्वर्णिम भविष्य का आश जगी है। इससे राजनीति लाभ के लिए लोगों में पृथकता उत्पन्न करने वाले लोग चिन्तित एवं दुःखी हैं लेकिन देश के लिए यह परिणाम शुभ है। देश के हितैषी सभी निष्पक्ष लोग इस परिणाम से प्रसन्न हैं। हम वेदों के अनुयायी हैं। वेद सत्य व सभी मनुष्यों के एक धर्म का समर्थक तथा असत्य, पक्षपात, अन्याय, अन्धविश्वास, कुरीतियों, विभाजन, परिग्रह, स्वार्थवाद आदि का विरोधी है। यदि इन चुनावों में लोग सत्य की ओर बढ़े है तो यह शुभ संकेत हैं और इसका सभी देश हितैषी बन्धुओं को स्वागत करना ही चाहिये। होली भ्वसल के पर्व के अवसर पर ऐसा हुआ है, यह अधिक प्रसन्नता की बात है। अतः हम एक बार पुनः सभी मित्रों व अमित्रों को होली की शुभकामनायें एवं बधाई देते हैं। सत्याचरण ही मनुष्य का धर्म है, यही सभी उन्नतियों की उन्नति है, सत्य के ग्रहण से ही विद्या की उन्नति तथा अविद्या का नाश हो सकता है, देश सुखी व बलवान हो सकता है तथा अपने शत्रुओं को सन्मार्ग पर लाने के साथ जो न माने उनका अन्य तरीकों से भी दमन कर सकता है। होली की सभी को बहुत बहुत शुभ कामनायें।

–196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

परिषद् का शिक्षक अभ्यास शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का शिक्षक अभ्यास शिविर दिनांक 28,29,30 अप्रैल 2017 को श्री सूर्यदेव व्यायामाचार्य के निर्देशन में गुरूकुल, खेड़ाखुर्द, दिल्ली–110082 में लगेगा। वह शिविरार्थी जिन्होंने 2 वर्ष का पाठयक्रम पूरा किया है वह भाग ले सकते हैं, कृपया 28 अप्रैल को सांय 4 बजे तक पंहुच जायें व शिविर समापन रविवार, 30 अप्रैल को सायं 5 से 7 बजे तक होगा। इच्छुक सम्पर्क करें– सौरभ गुप्ता, संयोजक, फोनः 9971467978.

अमेरिका आर्य महासम्मेलन में चलो

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्वावधान में 27 वां आर्य प्रतिनिधि महासम्मेलन दिनांक 27 जुलाई से 30 जुलाई 2017 तक न्यूयार्क में आयोजित किया जा रहा है। जो आर्य बन्धु भाग लेना चाहें वह परिषद् के राष्ट्रीय मंत्री श्री देवेन्द्र भगत–9958889970 पर सम्पर्क करें।

वर चाहिये

अरोड़ा परिवार की सुन्दर, सुशील कन्या कद 5'2'', प्राईवेट नौकरी, आयु 32 वर्ष के लिये योग्य वर की आवश्यकता है, सम्पर्कः–अखिलः 9810700599

फरीदाबाद - गुरूकुल मझांवली का यज्ञ व उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 5 मार्च 2017,गुरूकुल मझांवली फरीदाबाद का वार्षिक यज्ञ व उत्सव सोल्लास सम्पन्न हो गया। जिसमें दूर दूर से श्रद्वालु आर्य जन सम्मिलित हुए और समारोह को सफल बनाया। चित्र में–आचार्य स्वामी प्रणवानन्द जी के साथ स्वामी आर्यवेश जी, कै. रूद्रसेन सिन्धु,डा.अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, अनिल हाण्डा, अरूण आर्य, डा .धर्मेन्द्र शास्त्री, जीवनप्रकाश शास्त्री, धर्मपाल आर्य, आचार्या निशा, अमनसिंह शास्त्री व स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी आदि।

स्वामी इन्द्रवेश जी के 80वें जन्मोत्सव पर रोहतक में बेटी बचाओ सम्मेलन सम्पन्न

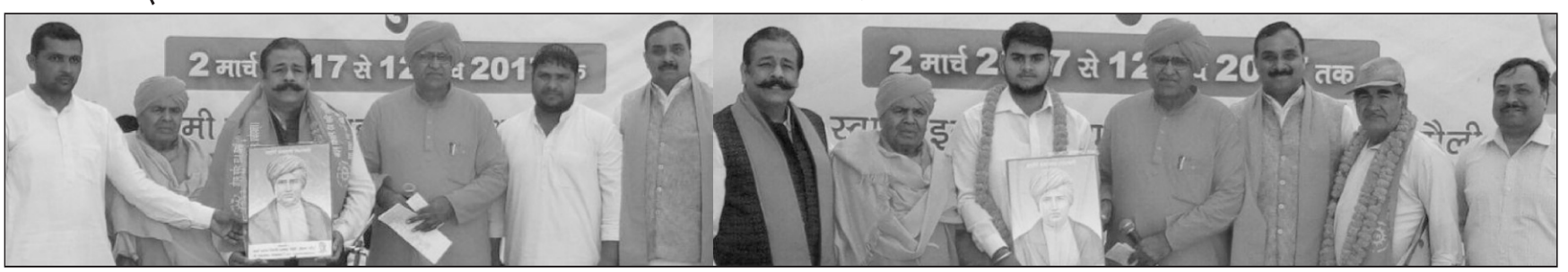

रविवार, 12 मार्च 2017,मूर्धन्य आर्य सन्यासी स्वामी इन्द्रवेश जी के 80 वें जन्मोत्सव पर ग्राम टिटोली,रोहतक में 10 दिवसीय यज्ञ व बेटी बचाओ सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। चित्र में–डा.अनिल आर्य का अभिनन्दन करते यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी चन्द्रवेश जी,स्वामी आर्यवेश जी,रामकुमार आर्य आदि, द्वितीय चित्र में परिषद् के शिक्षक वरूण आर्य का स्वागत करते डा.अनिल आर्य,स्वामी चन्द्रवेश जी,स्वामी आर्यवेश जी,रामकुमार आर्य,विजय आर्य(मोहाली) व पत्रिका के प्रबन्धक दिनेशसिंह आर्य।

शिक्षाविद् श्री दीनानाथ बत्रा का अभिनन्दन व मित्र संगम ने किया कवि सम्मेलन

रविवार, 5 मार्च 2017,शिक्षाविद्,शिक्षा बचाओ समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री दीनानाथ बत्रा के जन्मोत्सव पर सरस्वती शिशु मन्दिर नारायणा विहार,नई दिल्ली में आचार्य श्यामदेव जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ व समारोह का आयोजन किया गया। चित्र में परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य व महेन्द्र भाई श्री बत्रा जी का शाल व स्वामी दयानन्द जी का चित्र भेंट कर अभिनन्दन करते हुए। इस अवसर पर माता सन्तोष वधवा,विवेक अग्निहोत्री,अरूण आर्य,संजय स्वामी,श्यामसुन्दर गुप्ता,सुदर्शन रहेजा,नाहरसिंह वर्मा आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–सोमवार, 13 मार्च 2017 को मित्र संगम पत्रिका द्वारा ओम मन्दिर ढक्का,दिल्ली में होली के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मंच पर बायें से हरभजनसिंह दियोल,सम्पादक प्रेम वोहरा,डा.अनिल आर्य,डा.यासमिन खान(मेरठ),एस.के.शुक्ला,एडवोकेट व संयोजक ओम सपरा। सम्बोधित करते अशोक कश्यप। प्रो.कुलदीप सलिल,गुलशन पिपलानी,रामचन्द वर्मा साहिल,डा.जयसिंह जय,नरेश मलिक,सरिता गुप्ता,भूपेन्द्र सेठी,ए.एस.खान,महेन्द्र लूथरा,हरमिन्दरपाल,बी.डी.बजाज,शिशुपाल आर्य,कु.सोनिया,राजेन्द्र नटखट,राजन मेहरा,डा.साक्षात भसीन,प्रेम बिहारी मिश्रा,भारतेन्द्र मासूम,आलम फैजी आदि उपस्थित रहे।

सांसद मीनाक्षी लेखी का अभिनन्दन व अमर कालोनी आर्य समाज के हुए भजन

परिषद् द्वारा 21 फरवरी 2017 को 14 ,महादेव रोड़, नई दिल्ली में आयोजित स्वामी दयानन्द जन्मोत्सव पर नई दिल्ली की सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी का अभिनन्दन करते परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,साथ में पार्षद यशपाल आर्य,प्रकाशवीर शास्त्री। द्वितीय चित्र–आर्य समाज अमर कालोनी,दिल्ली की प्रधानाचार्य अर्चना पुष्करना के साथ दयानन्द मॉडल स्कूल का स्टाफ भजन प्रस्तुत करते हुए।

हरिद्वार आनन्दधाम में योग शिविर

आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज के पावन सान्निध्य में योग साधना शिविर दिनांक 29 मार्च से 2 अप्रैल 2017 तक वैदिक योग आश्रम, आनन्दधाम, हरिपुर कलां, हरिद्वार में लगेगा।

सम्पर्क करें–9313989311

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का शिविर

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का वार्षिक शिविर साध्वी डा.उतमायति जी के सान्निध्य में भगवती आर्ष कन्या गुरूकुल महाविद्यालय रेवाड़ी, हरियाणा में दिनांक 28 मई से 4 जून 2017 तक लगेगा। सम्पर्कः–मृदुला चौहान, संचालिकाः 9810702760, आरती खुराना, सचिवः 9910234595

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

शिक्षाविद् डा.अमिता चौहान व डा.अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में

उद्घाटन समारोहः शनिवार, 10 जून 2017, सायं 5 बजे से 7 बजे तक

समापन समारोहः रविवार, 18 जून 2017, प्रातः 11 बजे से 1.30 बजे तक

स्थानः ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल,सैक्टर–44, नोएडा,उत्तर प्रदेश

ध्यान दें–सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर शनिवार, 10 जून को दोपहर 1 बजे तक रिपोर्ट करेंगे तथा अपना स्थान शनिवार 2 जून 2017 तक प्रवेश पत्र व शुल्क जमा करवा कर सुरक्षित करवा लेगे। रविवार, 3 जून को कार्यालय आर्य समाज कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली से प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता से अपना ''परिचय पत्र'' प्राप्त कर लेगें कृपया अपनी दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेते आयें। इसके बाद शिविर में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

दानी महानुभावों से अपील है कि युवा निर्माण में तन,मन,धन से सहयोग प्रदान करें। निरन्तर चलने वाले आवासिये शिविरों के लिये आटा,दाल,चावल,चीनी,सब्जी,मसाले,रिफाईण्ड,घी आदि से सहयोग करें व अन्यों से करवायें। आर्य समाज की युवा शक्ति को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु शिविर उद्घाटन व समापन समारोह में सपरिवार पधारें।

दर्शनाभिलाषीः–

आनन्द चौहान	डा.अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
शिविर संरक्षक	राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामन्त्री	कोषाध्यक्ष

आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर दिल्ली

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में ''आर्य बालिका चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 21 मई से 28 मई 2017 तक आर्य समाज, सन्देश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 में लगेगा। इच्छुक बालिकायें सम्पर्क करें– उर्मिला आर्या, अध्यक्षा, फोनः 9711161843, अर्चना पुष्करना, महामंत्रीः 9899555280, अनिता कुमार, कोषाध्यक्षाः 9999699510

राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में ''युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक डी.वी.एम.पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड़, बहरोड़, जिला–अलवर, राजस्थान में लगेगा। सम्पर्कः रामकृष्ण शास्त्री, प्रान्तीय अध्यक्ष–9461405709

फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, ग्रेटर फरीदाबाद, हरियाणा में लगेगा। सम्पर्कः जितेन्द्र सिंह आर्य, जिला अध्यक्ष, 9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य, जिला महामंत्रीः 9350615369. सतपाल रहेजा, कोषाध्यक्षः 9910345690

फरीदाबाद आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 28 मई से 2 जून 2017 तक आर्य कन्या सदन, सैक्टर–15, फरीदाबाद, हरियाणा में लगेगा। सम्पर्कः श्री पी. के. मितलः 9818798217.

मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में ''प्रान्तीय युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 31 मई से 4 जून 2017 तक नूतन हायर सैकण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्य प्रदेश में लगेगा। सम्पर्कः आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार, प्रान्तीय अध्यक्षः 9977987777, विजय राठौर, शिविर संयोजकः9826478295.

जम्मू कश्मीर प्रान्तीय आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में ''प्रान्तीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 19 जून से 25 जून 2017 तक आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू में लगेगा। सम्पर्कः सुभाष बब्बर, प्रान्तीय अध्यक्षः 9419301915, रमेश खजुरिया, प्रान्तीय महामंत्रीः 9797384053

कण्वाश्रम कोटद्वार योग–आयुर्वेद शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उतराखंड के तत्वावधान में ''योग साधना व आयुर्वेद शिविर'' दिनांक 3 अप्रैल से 9 अप्रैल 2017 तक गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल में लगेगा।

सम्पर्कः योगीराज ब्र. विश्वपाल जयन्त, प्रान्तीय अध्यक्षः 9837162511

हापुड़ आर्य कन्या शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् व आर्य समाज हापुड़ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 23 मई से 30 मई 2017 तक आर्य कन्या शिविर आर्य कन्या इन्टर कालेज, स्वर्ग आश्रम रोड़, हापुड़ में लगेगा। सम्पर्कः आनन्दप्रकाश आर्य, प्रान्तीय अध्यक्षः 9837086799

उड़ीसा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उड़ीसा के तत्वावधान में ''प्रान्तीय आर्य युवक शिविर'' दिनांक 29 अप्रैल से 5 मई 2017 तक वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा में लगेगा। सम्पर्कः आचार्य धनेश्वर बेहरा, प्रान्तीय अध्यक्षः 9337117429.

पलवल युवक चरित्र निर्माण शिविर

आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में ''युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 12 जून से 18 जून 2017 तक दयानन्द उच्च विद्यालय, पातली गेट, पलवल, हरियाणा में लगेगा। सम्पर्कः स्वामी श्रद्धानन्द जीः 9416267482, दिनेश आर्य, जिला अध्यक्षः 9813289555.

जयपुर युवक चरित्र निर्माण शिविर

सार्वदेशिक आर्य युवक परिशद् राजस्थान के तत्वावधान में ''युवक निर्माण शिविर'' दिनांक 19 जून से 25 जून 2017 तक संस्कार भवन, जी. एल. सैनी, नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड़, केसर नगर चौराहा, जयपुर, राजस्थान में लगेगा। सम्पर्कःयशपाल यश, शिविराध्यक्षः 9414360248, डा.प्रमोदपाल, शिविर संयोजकः 9828014018.

पं.कुंवर सुखपाल आर्य की मार्मिक अपील

आपने सारा जीवन आर्य समाज के लिये दिया है, आर्य भजनोपदेशक है, अब 90 वर्ष की आयु है, दो बेटे अभी भी प्रचारक है, अत्यन्त आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। आर्य जनता से अपील है कि दिल खोल कर सहायता करें–

पं. कुंवर सुखपाल आर्य (भजनोपदेशक), आर्य कुटीर, 288, रामपुरी, रूड़की रोड़, मुजफ्फर नगर, उ.प्र.फोनः 9760895671

बैंक खाता सं.–07740100001095, सुभाषचन्द आर्य, बैंक आफ बड़ौदा, मुजफ्फर नगर

आर्य समाज नन्दग्राम का उत्सव

आर्य समाज नन्दग्राम, गाजियाबाद का वार्षिकोत्सव रविवार, 2 अप्रैल 2017 को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शांति फार्म हाउस, नन्दग्राम, गाजियाबाद में आयोजित किया जा रहा है।

सभी आर्य जन सपरिवार दर्शन दें– सौरभ गुप्ता

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970